



११४८६

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. २२२]

नई विल्ली, सौनवार, अक्टूबर ६, १९८६/ग्राहित १४, १९०८

No. 222] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 6, 1986/ASVINA 14, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

धारणिकार्य घोषणालय

नियाति व्यापार नियंत्रण

गोपनीय सूचना सं. १९ ई टी भी (पी एन) / ८६

नई विल्ली, ६ अक्टूबर, १९८६

विषय:— १-१-८७ से ३१-१२-८७ तक संयुक्त राज्य अमरीका
यूरोपीय आर्थिक सम्बद्धाय के सदस्य राज्यों, कनाडा, आस्ट्रिलिया,
फिल्ड, स्वीडन और नार्वे को सूने सामान्य लाइसेंस-३
के अंतर्गत कुछ कापड़ों और/या सूत ऊन और मानव निर्मित
धारों से तैयार मदों के नियाति के लिये स्फीम।

फा. सं. २/६५/८५-ई-१ स्फीम:—यह स्फीम १-१-८७ से
३१-१२-८७ तक की अवधि के लिए संयुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय
आर्थिक सम्बद्धाय के गदस्य राज्यों (जर्मन संघीय गणराज्य, फ्रांस, इटली,
बेनिलक्स, यू. के., आयर्लैंड, डेनमार्क और ग्रीन, सोन तथा पुर्तगाल)
आस्ट्रिलिया, कनाडा, फिल्ड, स्वीडन और मार्वे को कुछ कापड़ों और/या सूत,
ऊन और मानव निर्मित धारों के तैयार मदों के नियाति से संबंधित है।

2. स्फीम के प्रशासन के लिए प्रभिकरण:—२(१) जब तक अन्यथा
रूप से नियंत्रण न दिए जाएं, सूती वस्त्र नियाति संबंधित परिषद (टैक्स-
प्रोसिल) सभी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए नियाति हक्कार का
आवंटन करेगी किन्तु ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्रों को छोड़कर जिनकी
नियाति हक्कारी का आवंटन ऊन तथा ऊनी वस्त्र नियाति संबंधित परिषद
(उल्लू एंड उल्लू ई पी सी) द्वारा किया जाएगा। लेकिन सभी वस्त्र
और तैयार वस्त्रों जिनमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्रों भी शामिल हैं
के लिए आवश्यक प्रमाणन सूती वस्त्र नियाति संबंधित परिषद द्वारा किया
जाएगा। योजना के अंतर्गत ग्राने वाले वस्त्र ऊनादों की थेगियों की
सूची सूती वस्त्र नियाति संबंधित परिषद और ऊन तथा ऊनी वस्त्र नियाति
संबंधित परिषद के पास उपलब्ध हैं। सरकार का यह आधिकार होगा
कि वह जैस उचित समझे, इस योजना के प्रशासन के लिए अधिकारियों
के संबंध में परिवर्तन कर सकती है।

2(2) नियाति हक्कारों का आवंटन केवल सभी पंजीकरण आधि-
कारियों के पास पंजीकृत नियातियों को ही किया जाएगा।

3. मात्रा आवंटन की प्रक्रिया और आवंटन वर्ष का विभाजन-नियाति
के लिए मात्रा के आवंटन की तीन पद्धतियों होंगी:—(१३) आर्थिक स्तर
के ४० प्रतिशत का आवंटन भूतकालीन निष्पादन के आधार पर किया

आएगा और 40 प्रतिशत का पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण के आधार पर और 20 प्रतिशत पहले आए सो पहले पाए तैयार वस्त्र के मध्यांग पर ।

(2) भूतकालीन निष्पादन पद्धति के मामले में 1-1-1987 से 30-9-1987 तक की एक एकल आवंटन अवधि होगी । पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण पद्धति और पहले आए सो पहले पाए तैयार वस्त्र पद्धति के मामले में वर्ष का विभाजन आर मास की तीन अवधियों अर्थात् 1-1-87 से 30-4-1987, 1-5-1987 से 31-8-1987 और 1-9-87 से 31-12-1987 में किया जाएगा ।

(3) पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण पद्धति और पहले आए सो पहले पाए तैयार माल पद्धति के अधीन उपलब्ध माल का 50 प्रतिशत प्रथम अवधि जनवरी/फ़रीद 1987 के दौरान लवान के लिए आवंटित किया जाएगा और 25 प्रतिशत की इमरी अवधि मई/जूनस्त 1987 के बौद्धन लवान के लिए आवंटित किया जाएगा और शेष 25 प्रतिशत तृतीय अवधि मित्स्वर/विस्म्वर 1987 के लिए आवंटित किया जाएगा । लेकिन, उत्तीर्ण प्रवधियों और/या पड़तियों-बार अनुमातों को, मांग की प्रवृत्ति और अस्थि वैरामेटस के आधार पर सरकार द्वारा आशोधित किया जा सकता है ।

4. खान्ड के लिए आरक्षण :—जहाँ पर सूती, ऊनी और मनुष्य निर्मित धारों की निर्यात हकदारी निर्वित की जाती है, ऊनी और संस्किन्द्ध मामलों के लिए आरक्षण विशेष मालाओं की शर्तों के अनुसार किया जाएगा । वस्त्र आवृक्त द्वारा वास्तविक मालाओं का निश्चय गत वर्ष के घैरने और चालू वर्ष की प्रवृत्तियों को छान में रखने हुए कमां परिवर्तों द्वारा प्रकारी जहरतें प्राप्त करने के बाव किया जाएगा ।

5. भूतकालीन निष्पादन हकदारी प्रणाली (1) हकदारियों का निश्चय करने के लिए ऐजेन्टों :—प्रत्येक निर्यातक के संबंध में भूतकालीन निष्पादन योजना के अधीन हकदारों की गणना करने के लिए ऐजेन्टी सूती वस्त्र निर्यात संबंधीन परियद, अमर्ह (टेक्सप्रोसिल) होगी । वस्त्र आवृक्त हस्त संबंध में किया विधियां निर्धारित करेंगे और टैक्सप्रोसिल के कार्य का पर्यवेक्षण करेंगे ।

(2) निर्धारित अवधि और उच्चतम सीमा—हकदारी का निश्चय प्रत्येक निर्यातक के लिए 1984-85 और जनवरी/जून 1986 के दौरान किए गए निर्यातों के औंतत के आधार पर प्रत्येक देश/श्रेणी समूह के लिए यथा अनुमात किया जाएगा । आवंटन मायानुपात के आधार पर किया जाएगा । लेकिन कोई भी निर्यातिक प्रत्येक श्रेणी/देश में आधार अवधि में अपने वास्तविक औंतत निर्यात से अधिक के लिए हकदार नहीं होगा ।

(3) निष्पादन बांड—भूतकालीन निष्पादन हकदारी के लिए प्राक्ता प्राप्त करने वाले निर्यातिकों को निष्पादन बांड भरे विना ही 31-3-1987 तक अपनी हकदारी का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी ।

(4) निर्यातिकों को यह विकल्प दिया जाएगा कि वे 31-3-1987 तक अप्रृक्त हकदारियों को अध्यापित कर दें या उन्हें ऐसी माला रखने की अनुमति दी जाएगी जो वे 31 मार्च, 1987 से पहले या इस तिथि को 1 रुपया प्रति किलोग्राम की वर पर बैंक गारंटी या नकद निक्षेप द्वारा समर्थित निष्पादन बांड देकर रखने की इच्छा करें और जिन मामलों में यूनिट वा आवंटन किलो ग्रामों में हो वहाँ यह दर ₹/इसी देशों को ज्ञानांतर के लिए 24 पैसे प्रति वर्जन संयुक्त राज्य अमरीका को 40 पैसे प्रति दर्जन, टेरि तौलिएं और वस्त्रों के लिए 10 पैसे प्रति वर्ग गज और कनाश को ऊनी बैंसटिड यस्तों के लिए 10 पैसे प्रति वर्ग गज होगी ।

(5) निर्यातिकों को 30-6-1987 को उपर्युक्त 5(4) में 50 पर प्रति वर्ग वर पर अपनी अवृक्त हकदारी को अध्यापित करने का विलम्ब दिया जाएगा ।

(6) यदि उपयोग 30 सितम्बर 1987 से पहले 75 प्रतिशत से कम रहता है तो नियतिक को पैरा 5(4) में विविधकृत दर से दुपने दर पर निष्पादन बांड की निष्पादन के द्वारा 31 दिसम्बर, 1987 तक पीतलदान करने के लिए अनुमति प्राप्त करने के लिए विकल्प दिया जाएगा ।

(7) हस्तान्तरण :—(क) 30-9-1987 तक किसी भी समय किसी भी नियतिक को अपनी हकदारी में किसी भी हिस्से का हस्तान्तरण करने का एक नियातिक को विकल्प होगा ।

(ख) हस्तान्तरित माला इस हस्तान्तरी के निर्यात के रूप में मानी जाएगी जो वातस्व में माल का लदान करता है ।

(ग) हस्तान्तरी के पास की हकदारी उन्हें शर्तों एवं नियमों के अधीन होगी जो हस्तान्तरक के पास हकदारी के लिए सामूहिक होती है ।

(घ) एक नियतिक जो पूर्ण रूप या अंतिक रूप से किसी विशेष देश/श्रेणी में किसी अन्य नियातिक से हस्तान्तरण द्वारा हकदारी प्राप्त करता है तो वह उसी देश/श्रेणी में किसी अन्य नियातिक को किसी भी हकदारी को हस्तान्तरित करने का हकदार नहीं होगा ।

(इ) विशेष/देश/श्रेणी के भूतकालीन निष्पादन हकदारी का हस्तान्तरण उत्त नियातिक के लिए प्रत्येक नहीं होता जिसके पास उसी देश/श्रेणी में “पहले आए तो पहले पाए” संविदा आरक्षण कोटा हो ।

6. पहले आए सो पहले पाए के आधार पर संविदा आरक्षण पद्धति—

(1) पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण आधार पर आवंटन के लिए नियातिक की आवेदन पत्र के साथ यदि आवंटन कि.पा. में है तो 1 रुपया प्रति कि.पा. की दर पर पूरोपियन आर्थिक संरक्षण के देशों के लिए इमालों के लिए 12 पैसे प्रति वर्जन, पू. एस. ए. के लिए टेरी तौलियों के लिए 24 पैसे प्रति वर्जन और वस्त्रों के लिए 5 पैसे प्रति वर्ग गज और कनाश के लिए ऊनी बैंसटिड वस्त्रों के लिए 5 पैसे वर्ग मीटर की दर पर परिकलित बैंक गारंटी द्वारा समर्पित निष्पादन बांड प्रस्तुत करता पहुंचा ।

(2) उपर्युक्त बांडिका 6(1) में विनिदिष्ट दुगनी दरों पर निष्पादन बांड भेज कर नियातिक धारणे आवंटन अवधि में चुंडि के लिए आवेदन कर गकना है वर्गों की उसने 30 जून 1987 तक अपनी हकदारी का 75 प्रतिशत हिस्सा उपयोग कर लिया है ।

(3) यदि किसी नियातिक विन किसी देश/श्रेणी में वितरण के लिए आवेदित कुल माला उपलब्ध माला से अधिक है तो आवंटन उच्च मूल्य आधार पर किया जाएगा ।

7. पहले आए सो पहले पाए तैयार माल पद्धति :—(1) पहले आए सो पहले पाए तैयार माल के आधार पर माल के मामले में नियातिक के आवेदन-पत्र के माय पोतलदान विन, वस्त्र समिति निरीक्षण प्रमाण-पत्र, जहाँ लागू हो ए आर 4 या ए आर 5/ए आर 3-प्रत और 50 पैसे प्रति कि.पा. की दर पर परिकलित अर्जित धन निक्षेप के लिए यैक प्रस्तुत करना पड़ेगा, जो कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर वास्तविक पोतलदान प्रस्तुत नहीं किया जाता तो जम्मा कर लिया जाएगा ।

(2) यदि किसी विशेष विन आवेदित कुल माला किसी देश/श्रेणी में वितरण के लिए उपलब्ध माला से कम है तो आवंटन उच्च मूल्य आधार पर किया जाएगा ।

8. प्रमाणीकरण/पोतलदान :—आवंटन की सभी सीमों पद्धतियों के प्रस्तुत टैसोप्रोसिल द्वारा प्रमाणीकरण, जिसी भी मामले में प्रमाणीकरण की तारीख से 21 पूरे दिन की अवधि के सिए पोतलदान के लिए इस वर्ग के प्रधानी होगा कि कोई भी प्रमाण-पत्र 31 दिसम्बर 1987 के बाय वैध नहीं होगा ।

9. दीमी रफ्तार की मर्दें :—वस्त्र आयुक्त भूतकालीन निर्यातों और वर्तमान पद्धति के आधार पर दीमी रफ्तार वाली मर्दें को अभिनाश करेगा और उनकी सूची की घोषणा करेगा। ऐसी मर्दें निम्नलिखित विधायितों के लिए पात्र होगी :—

(क) निषादन गारंटी के मुद्दे युरक्स संबंधी प्रावधान उन मद्दति वाली मर्दों के मामले में हैं जो कि इस प्रयोगन के लिए विशेष रूप से अभिनाश हैं, भूतकालीन निर्यातों और वर्तमान प्रवृत्तियों के आधार पर वस्त्र आयुक्त द्वारा अलग कर दी जाएगी।

(ख) भव्यता वाली मर्दों की पहचान के लिए आवेदक की बैंक गारंटी आवधा नकद निकेप के बिना वस्त्र संबंधी समिति द्वारा निर्धारित प्रपत्र में केवल निषादन वाण्ड ही भेजा जाएगा।

10. वेशगी धनराशि का निकेप/बैंक गारंटी और उनकी जक्ती :—जो निर्यातिक पक्षों निषादन हक्कारी के अस्तर्यात उसको आवंटित निर्यात हक्कारी तथा किसी विशेष निर्यात हक्कारी अवधि में पहले आए सो पहले पाए संविदा आरक्षण उसे आवंटित हक्कारी कोटे के 90 प्रतिशत तक निषादन करता है तो उसे जुमनि का भुगतान नहीं करता होगा। जो निर्यातिक 75 प्रतिशत तक किस्तु 90 प्रतिशत से कम निर्यात करता है, उसे भी अनुपात के हिसाब से जुमना देना होगा। यदि निर्यात हक्कारी का उपयोग 75 प्रतिशत से कम है तो निर्यातिक अपने पूरे निषादन भान्ड जम्ह करने के लिए उत्तरदायी होगा। जब भी ऐसा हो यह अनिवार्य शादी के अवैतन लागू होगा।

(2) समय वृद्धि के लिए आवेदन-पत्र समबद्ध अवधि के एक मास के भीतर दाखिल किए जाएँ।

(3) इस नीति के अनुसार जिन निर्यातिकों को निर्यात का आवंटन किया गया है किस्तु जो उसका उपयोग नहीं करते हैं, भविष्य में वे आवंटन के इयोग्य साधित होंगे और उन पर बिना किसी पक्षगत के उस संबंध में भव्य वार्टवाई की जा सकती है।

11. वेशगी वी धनराशि निकेप/बैंक गारंटी जम्ह करने के विषय धर्मील :—प्रावंटित निर्यात हक्कारी के उपयोग न करने के लिए वेशगी की धनराशि निकेप/बैंक गारंटी के जम्ह करने के विरुद्ध निर्यातिकों द्वारा किए गए प्रतिवेदनों पर उपयुक्त विचार करने के लिए केवल निम्नलिखित क्रियाविधि लागू होगी। सूती वस्त्र निर्यात संबंधीन परिषद द्वारा वेशगी की धनराशि निकेप/बैंक गारंटी जम्ह किए जाने पर संबंध निर्यातिक ऐसे जम्ह करण की सूचना प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर वस्त्र आयुक्त बम्बई को इसके विरुद्ध अपील कर रक्ता है। वस्त्र आयुक्त ऐसा प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद शीघ्र से शीघ्र निर्यात होंगे। यदि किसी मामले में निर्यातिक वस्त्र आयुक्त के निर्णय से असंुच्छ हो सो यह निर्णय प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर श्रील कर रक्ता है। इसी अपील वस्त्र विभाग को की जाएगी और उस पर सरकार द्वारा गठित की गयी श्रील समिति द्वारा विचार किया जाएगा।

12. निर्यात हक्कारी आवंटन का पर्यवेक्षण :—वस्त्र आयुक्त, बम्बई निर्यात हक्कार के आवंटन से संबंधित मामलों पर दिन प्रतिवेदन पर्यवेक्षण के इधिकार को जारी रखेगा। एक समन्वय समिति, जिसके वस्त्र द्वारा क्रम्भ होंगे और संबद्ध निर्यात संबंधीन परिषदों के प्रतिवेदित सदस्य होंगे, वे समय-समय पर नीति के प्रचालन की पुनरीआ करेंगी। विचारों में विभिन्नता होने वाले मामलों में वस्त्र आयुक्त का निर्णय अंतिम होगा।

13. सीमांश्लक द्वारा निकासी :—क. नियन्त्रण के अधीन उत्ताद पोतलवान की अनुमति सीमांश्लक प्रविकरियों द्वारा पोतलवान के पत्तों पर सूती वस्त्र निर्यात संबंधीन परिषद या इस उद्देश्य के लिए नियन्त्रित किसी भव्य उपयोगत नियाय द्वारा आरी किए गए ग्रलग-ग्रलग माल परेषणों के लिए मूल पोत परिवहन विलों पर और उनकी अनुलिपि ग्रलि पर पृष्ठों के आधार पर वी जाएगी।

ए. हथकरण उत्ताद :—जहाँ तक नियन्त्रित मर्दों के संगत सभी हथकरण वस्त्रों/वैयार वस्तुओं के निर्यात का संभव है, वही सीमांश्लक द्वारा पोतलवान की अनुमति वस्त्र आयुक्त द्वारा क्रीड़ोगत प्रावृत के भाग-2 में निरीक्षण पृष्ठों के आधार पर वी जाएगी।

ग. भारतीय मर्द के लिए क्रियाविधि :—उत्ताद भारतीय मर्दों के बारे में जो कि 35 भारतीय परंपरागत लोक प्रचलित उत्ताद हैं, यूरोपीय आर्थिक समूहों के भद्रत्य राज्यों, यू. एस. ए. क्रिनैड, यालिया, स्टोडा, करडा और तर्वे की निर्यात के लिए पोतलवान सीमांश्लक द्वारा विभाग आयुक्त (अस्तमित) के कार्यान्वय द्वारा जारी किए गए उचित प्रमाणरत्वों के आधार पर अनुमति किया जाएगा।

14(८). निर्मात्र प्रवाण-नव्र उद्गम प्रवाण-नव्र और वीमा :—संघर द्विपक्षी समवीते के ल्योन निम्नलिखित योक्तिन प्रवाण-नव्र सूती वस्त्र निर्यात संबंधीत परिवार या उनके नाम में नियन्त्रित प्राविहन फिरा अन्य परिषद द्वारा जारी किए जाएँगे :—

(1) ई. ई. सी.—(क) बुने हुए पावरलूम और निन निर्मात्र मूत्र को पोगहें जो नियन्त्रण के अधीन हैं, के लिए नियन्त्रित प्रमाण-नव्र और उद्गम प्रवाण-नव्र।

(ब) बुने हुए/पावरलूम/मिन निर्मित मूत्र को पोगहें जो नियन्त्रण के अधीन नहीं हैं, के लिए उद्गम प्रवाण-नव्र।

(2) यालिया :—नियन्त्रण या नियारनी गो गर्भ के अधीन यूरोपीय पावरलूम/मिन निर्मित योगाकों के लिए निर्यात प्रमाण-नव्र।

(3) कनाडा :—बुने हुए पावरलूम और मिन-निर्मित मूत्र को पोगाकों जो नियन्त्रण के अधीन हैं के लिए 500 या इसके कम कोडिन डालर मूल्य के परेषण के लिए निर्यात-प्रमाण-नव्र।

(४) यू. एस. ए. :—(क) यू. एस. डालर 250 से अधिक मूल्य वाले परेषण की मिन निर्मित/पावरलूम/इन्वर्नप/बुने हुए वस्त्रों के लिए वीमा।

(ब) यू. एस. डालर 250 या इसके कम मूल्य के परेषण की पोगाकों/बुने हुए वस्त्रों के लिए छूट प्रमाण-नव्र।

(५) श्रीड़िन :—सभी मिन निर्मित/पावरलूम/इन्वर्नप/बुने हुए किरोगिया से बुने हुए मार्किन उद्गम के अधीन नियन्त्रित प्रमाण-नव्र।

(६) जार्वे :—प्रेणो 7 के अन्यान्त मिन निर्मात्र और शक्ति चालित करवे के बेड लीन के संबंध में नियन्त्रित प्रवाण-नव्र/उद्गम का प्रमाण-नव्र।

(७) हयनरथा छूट प्रमाण-नव्र :—नियन्त्रित मर्दों से मंगन सभी हथकरण वस्त्रों/वैयार वस्तुओं के कनाडा को नियन्त्रण, सूती वस्त्र हयनरथा वस्त्रों/वैयार वस्तुओं का आर्टिंट्रा को नियन्त्रण भभी हयनरथा वस्त्र और लैवार वस्तुओं का यूरोपीय आर्थिक समूहों के राज्यों तथा यू. एस. ए. और बेड लीन को नार्वे को नियन्त्रित के मामलों में वस्त्र समिति ऐसे उत्तादों के लिए द्विवीय समझों में यथा-निर्धारित प्रमाण-नव्र जारी करेगा।

15. यूरोपीय दिए बिना पहने के किसी भी प्रावधान का गंगोधान करने के लिए सरकार अधिकार रखती है।

16. संबद्ध नियन्त्रित संबंधीत परिषद और वस्त्र आयुक्त, वस्त्र समिति और विकास आयुक्त (हम्मिल) के कार्यालयों के पते निम्नलिखित अनुसार हैं :—

1. वस्त्र आयुक्त का कार्यालय,
यूरोपीय और ओ. बिलिंग,

ग्रूपीन लाइस्न्स,
पोस्ट बाक्स नं. 11500, बम्बई-400020

2. सूती वस्त्र नियति संबंधित परिषद,
इंजीनियरिंग सेन्टर, ५वीं मंजिल,
ग्रैम्पूरोड, बम्बई-400004
3. सिल्क और रेयान टेक्सटाइल नियति संबंधित परिषद,
रेशम मंचन, थीर नारोमत रोड,
बम्बई-400020।
4. ऊन और ऊन वस्त्र नियति संबंधित परिषद, ६१२/७११,
प्रांशुक इस्टेट, 24 वाराचन्द्रा रोड, नई दिल्ली-110001
5. कारंपेट नियति संबंधित परिषद, बुकान नं. व-115,
सेक्टर-18, पोस्ट आफिता नोएडा जिला-गजियाबाद।
6. विकास ग्राम्पूरा (इस्टशिल्प), वैस्ट ब्लाक,
ज़ि. भार. के. पुरम, नई दिल्ली-110022।
7. वस्त्र समिति, "किट्टल" ७९-ग्रा. एनो बीकॉट रोड,
बर्ली, बम्बई-400018

राजीव लोचन मिथ, मुख्य नियंत्रक, ग्राम्पति-नियति

**MINISTRY OF COMMERCE
EXPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 19-ETC(PN)186**

New Delhi, the 6th October, 1986

Subject :—Scheme of exports under OGL-3 of certain fabrics and/or made-up items made from cotton, wool and man-made fibres, to USA, European Economic Community Member States, Canada, Austria, Finland, Sweden and Norway from 1-1-1987 to 31-12-1987.

F. No. 2/65/85/E-I.—This scheme relates to the exports of certain fabrics and/or made-up items of cotton, wool and man-made fibres to USA, European Economic Community Member-States (Federal Republic of Germany, France, Italy, Benelux, U.K., Ireland, Denmark, Greece, Spain and Portugal), Austria, Canada, Finland, Sweden and Norway for the period 1-1-1987 to 31-12-1987.

2. Agencies for the Administration of the Scheme

2(i) Unless otherwise directed, the Cotton Textiles Export Promotion Council (TEXPROCIL) will allocate export entitlements for all fabrics and made-ups except woollen fabrics and made-ups for which export entitlement allocation will be done by the Wool & Woollen Export Promotion Council (W&WEPC). However, necessary certification for all fabrics and made-ups including the woollen fabrics and made-ups will be done by the Cotton Textiles Export Promotion Council. Lists of categories of the Textile products covered under the scheme are available with the Cotton Textiles Export Promotion Council and the Wool & Woollen Export Promotion Council. Government reserves the right to make changes as considered appropriate, with regard to the agencies for the administration of the scheme.

2(ii) Export Entitlements will be allotted only to exporters registered with the Competent Registering Authorities.

3. Systems and quantum of allotment and divisions of the allotment year.

There will be three systems of allocation of quantity for export :—

3 (i) 40 per cent of the annual level will be allocated on the basis of past performance, 40 per cent on the basis of First-come, First-served (FCFS) Contract Reservation and 20 per cent on FCFS Ready-goods basis.

3 (ii) In the case of past performance system, there will be a single period of allocation from 1-1-1987 to 30-9-1987. For FCFS Contract Reservation system and FCFS readygood system, the year will be divided into three four monthly periods i.e. 1-1-1987 to 30-4-1987, 1-5-1987 to 31-8-1987 and 1-9-1987 to 31-12-1987.

3 (iii) 50 per cent of the quantity available under the system of FCFS Contract Reservation and FCFS Readygoods will be allocated for shipment during the first period January/April, 1987, 25 per cent for shipment during the second period May/August, 1987, and the remaining 25 per cent for shipment during the third period, September/December, 1987. The above periods and/or systemwise ratios may, however, be modified by the Government depending upon the demand patterns and other parameters.

4. Reservation for segments.

Wherever export entitlements for cotton, woollen and man-made fibres are combined, the reservation for woollen and synthetic items will be done in terms of specific quantities. The actual quantities will be determined by the Textile Commissioner after ascertaining the firm requirements from the respective Councils keeping in view the past pattern and prevailing trends.

5. Past Performance Entitlement System.

5 (i) Agency for determining entitlements.—The Agency for calculation of the entitlement under the past performance system in respect of each exporter will be the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay (TEXPROCIL). The Textile Commissioner will lay down procedures in this regard and supervise the work of the TEXPROCIL.

5 (ii) Base Period and Ceiling.—The entitlement shall be determined pro-rata for each country/ category combination on the basis of the average of exports during 1984, 1985 and January/June, 1986 for each exporter. The allotment will be made on pro-rata basis. No exporter shall, however, be entitled to more than his annual average exports in the base period in each category/country.

5 (iii) Performance bond.—The exporters qualifying for past performance entitlement will be allowed to utilise their entitlement without executing performance bond upto 31-3-1987.

5 (iv) The exporters will be given the option to surrender the unutilised entitlements by 31-3-1987 or retain such quantity as they may desire by giving performance bond backed either by Bank Guarantee or cash deposit on or before 31st March, 1987, at the rate of Re. 1 per kg. where the unit of allotment is in terms of kgs., 24 paise per dozen for handkerchiefs to EEC countries, 48 paise per dozen for terry towels and 10 paise per sq. yard for fabrics to USA and 10 paise per Sq. metre for woollen worsted fabrics to Canada.

5 (v) Exporters will be given an option to surrender their unutilised entitlements at 50 per cent of the rates at 5 (iv) above as on 30-6-1987.

5 (vi) Where the utilisation is not less than 75 per cent before 30th September, 1987 the exporter will be given an option to seek extension for shipment upto 31st December, 1987, by executing a performance bond at double the rates specified in paragraph 5(iv).

5 (vii) Transferability.—Past Performance Entitlement shall be transferable subject to the following conditions.

- (a) An exporter will have the option to transfer any portion of his entitlement to any other registered exporter at any time upto 30-9-1987.
- (b) The quantity transferred shall be counted as exports of the transferee, who actually ships the goods.
- (c) The entitlement in the hands of the transferee shall be subject to the same terms and conditions as those applicable to it in the hands of the transferee.
- (d) An exporter who obtains entitlement by transfer from any other exporter in a particular country|category, either in full or in part, will not be eligible to transfer any entitlement to another exporter in the same country|category.
- (e) Transfer of Past Performance Entitlement in a particular country|category shall not be allowed to the exporters who have FCFS contract reservation quota in the same category|Country.

6. FCFS Contract Reservation System

6. (i) For allotment on FCFS Contract Reservation basis, the exporter will have to submit alongwith the application, performance bond backed by bank guarantee or by cash deposit calculated at the rate of Re. 1/- per kg. where allotment is in kgs., 12 paise per dozen for handkerchiefs to EEC, 24 paise per dozen for terry towels, 5 paise per Sq. yard for fabrics to USA and 5 paise per Sq. meter for woollen worsted fabrics to Canada.

6 (ii) The exporter may seek extension for the next allotment period by executing performance bond at double the rates specified in para 6(i) above, provided he has utilised not less than 75 per cent of his entitlement by 30th June, 1987.

6 (iii) If on any particular day the total quantity applied for is more than the quantity available for distribution in any country|category, the allotment will be made on high price basis.

7. FCFS Readygoods System

7 (i) Allocation of quantity on the basis of FCFS Readygoods will be made only against the goods which are physically ready for shipment. The exporter will have to submit along with the application, shipping documents, the Textiles Committee's Inspection Certificate, AR4 or AR5|AR3 forms and a cheque towards earnest money deposit calculated at the rate of 50 paise per kg., which shall be forfeited if proof of actual shipment is not produced within the prescribed time limit.

7 (ii) If on any particular day the total quantity applied for is more than the quantity available for distribution in any country|category, the allotment will be made on high price basis.

8. Certification|Shipment

Certification by Texprocil under all the three systems of allotment will be valid for shipment for a period of 21 clear days from the date of certification subject to the condition that no certificate shall be valid beyond 31st December, 1987 in any case.

9. Slow Moving Items.

The Textile Commissioner will identify and announce a list of slow moving items on the basis of past exports and prevailing trends. Such items will be eligible for the following relaxations :

- (a) The provisions regarding security against performance guarantee would be dispensed with in the case of slow moving items, specially identified for this purpose, by the Textile Commissioner on the basis of past exports and prevailing trends.
- (b) For the identified slow moving items, applicants will have to submit only the performance bond in the proforma prescribed by Texprocil without any Bank guarantee or cash deposit.

10 Earnest Money Deposit/Bank Guarantee & forfeiture thereof.

10 (i) An exporter, who performs not less than 90 per cent of the export entitlements allotted to him under post performance entitlement and FCFS Contract Reservation Systems in a particular export entitlement period will not be liable to forfeiture of performance bond. An exporter who performs not less than 75 per cent but less than 90 per cent will have to pay proportionate forfeiture. If the export entitlement utilisation is less than 75 per cent the exporter will be liable to forfeiture of his performance bond in full. This will be subject to force majeure conditions wherever these arise.

10 (ii) Application for extension shall be filed within one month of the relevant period.

10 (iii) Exporters to whom export entitlements are allotted in terms of this policy but who do not utilise them would render themselves liable to disqualification from future allotment without prejudice to any other action that may be taken in this behalf.

11. Appeal against forfeiture of EMD's|Bank Guarantees:

For the purpose of giving consideration to representations made by exporters against forfeiture of EMD's|Bank Guarantees for non-utilisation of allotted export entitlements, the following procedure will apply. On forfeiture of EMD's|Bank Guarantees by the Texprocil, the exporters concerned may appeal against such forfeiture to the Textile Commissioner, Bombay within fifteen days of receipt of the communication regarding the forfeiture. The Textile Commissioner shall upon receipt of the representation give a ruling as early as possible. If, in any case, the exporter is not satisfied with the decision of the Textile Commissioner, he may prefer an appeal against the decision within 15 days of receipt of the communication conveying the decision. The second appeal will lie with Ministry of Textiles and will be dealt with by an Appellate Committee constituted by the Government.

12. Supervision of allocation of export entitlements:

The Textile Commissioner, Bombay will continue to exercise day to day supervision over the matters relating to allocation of export entitlement. A co-ordination Committee with the Textile Commissioner as Chairman and with the representatives of the concerned EPCs as members will review the operation of the policy periodically. On matters where there is difference of opinion, the decision of the Textile Commissioner will be final.

13. Clearance by Customs :

A Products under restraint :

Shipments will be allowed by Customs authorities at the ports of shipment after verifying the certification of export entitlement of the original and duplicate of shipping bills for individual consignments issued by the Cotton Textiles Export Promotion Council or any other appropriate agency designated for this purpose.

B. Handloom products—

In so far as exports of all handloom fabrics|made-ups, corresponding to restrained items are concerned, shipments will be permitted by the Customs on the basis of 'Inspection Endorsement' by the Textile Committee in Part-2 of the combination form.

C. Made-ups falling under India Items—

In respect of 'India Items' which are traditional folklore handicraft textile products of India, shipments will be permitted by the Customs for exports to EEC, USA, Finland, Austria, Sweden, Canada and Norway on the basis of appropriate certificate issued

by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts).

14(A). Export Certificate, Certificate of origin and Visa:

The following certification, required under the relevant Bilateral Textile Agreements, will be issued by the Cotton Textiles Export Promotion Council or any other body duly authorised in this behalf :

(i) EEC :

(a) Export Certificate and certificate of origin for all restrained items of powerloom|mill-made|knitted origin.

(b) Certificate of origin for non-restrained items of powerloom|millmade|knitted origin.

(ii) AUSTRIA :

Export Certificates for fabrics|made-ups of powerloom|millmade origin subject to restraint or surveillance.

(iii) CANADA :

Export certificate of fabrics and made-ups of mill-made|powerloom|knitted origin which are subject to restraint except for consignments valued at less than Canadian \$ 500.

(iv) USA:

(a) Visa for all millmade|powerloom fabrics and made-ups consignments valued above US \$250/-.

(b) Exempt certificate for consignments valued at US \$250/- or less.

(v) SWEDEN :

Export certificate for all made-ups of mill-made|powerloom|handloom|knitted|crocheted origin under quantitative restraint.

(vi) NORWAY :

Export certificate|Certificate of Origin in respect of bed linen of powerloom and mill-made under category 7.

14(B). Handloom exempt certificate:

In the case of export of all handloom fabrics|made-ups corresponding to restrained items to Canada, Cotton Handloom Textile Fabrics|Made-ups to Austria, all handloom and fabrics and made-ups to EEC and the USA and handloom bed-linen to Norway the Textiles Committee will issue the certificate as prescribed in the Bilateral Agreements for such products.

15. Government reserves the right to make amendments to any of the foregoing provisions without giving prior notice.

16. The addresses of the concerned Export Promotion Councils and of the offices of the Textile Commissioner, Textiles Committee and Development Commissioner (Handicrafts) are as follows :—

1. Office of the Textile Commissioner,
New C. G. O. Building,
New Marine Lines,
Post Box No. 11500,
Bombay-400020.
2. The Cotton Textiles Export Promotion Council,
Engineering Centre,
5th Floor,
9th-Mathew Road,
Bombay-400004.
3. Silk & Rayon Textiles Export Promotion Council,
Resham Bhavan,
Veer Nariman Road,
Bombay-400020.

4. The Wool & Woollen Export Promotion Council,
612/714, Ashoka Estate,
24, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

5. Carpet Export Promotion Council,
Shop No. B-115,
Sector-XVIII,
Post Office Noida,
Distt. Ghaziabad.

6. Development Commissioner (Handicrafts),
West Block,
VII, R. K. Puram,
New Delhi-110022.

7. Textiles Committee,
"Crystal",
79-Dr. Arnic Besant Road,
Worli,
Bombay-400018.

R. L. MISRA, Chief Controller of
Imports and Exports

